16-Days' Management Training of DSPs starts at CIMP

The 16-Days' Management Training of Probationers belonging to 60th to 62nd batch of Bihar Police Service (BPS) was inaugurated in Chandragupt Institute of Management Patna today by Shri Amir Subhani, Additional Chief Secretary, Home Department, Govt. of Bihar. Shri Gupteshwar Pandey, Director General of Police, Bihar was the *Guest of Honour* on this occasion. Shri Bhrigu Srinivasan, Addl. Director General of Police-cum-Director, Bihar Police Academy, Rajgir was also present as the Special Guest on this occasion.

Shri Amir Subhani, in his inaugural address, asked the probationers to leverage this opportunity at CIMP to study Management from Police angle and Police from a Management angle. Cautioning the probationers that Police is a powerful job and with power comes equal responsibility, he said that we have to keep the teachings of Mahatma Gandhi in mind when he said that you always have to keep the last person on your mind, the last person in the hierarchy, who may have approached you or who may have not approached you but your actions may influencing him. Shri Subhani further said that whenever you have discretion, you have discretion to do in a positive manner or to take action in a negative manner. There may be situations when both the options are their legally and lawfully available with you, but you must try to take the course of action which goes in favour of the person before you rather than against him. Underlining that routine is the enemy of innovation, Shri Amir Subhani advised the probationers do the routine things in a better manner and new manner to make a

difference. Whatever you are doing is important but in what manner you are doing that is much more important.

Shri Gupteshwar Pandey, Director General of Police in his address dwelt upon the omnipresence of conflict both 'within' and 'outside' the human entity and it is this conflict 'within', between 'mind' and 'intellect', that determines the personality of the individual. He exhorted the probationers to have a humane face and act to help improve the existing image of police in the eyes of the society.

Shri Bhrigu Srinivasan, Director of Bihar Police Academy, Rajgir urged the probationers to effectively utilize this learning opportunity at this reputed institute and the most use of it.

Noted Creative Thinker-Writer-Graphologist, Dr. Prasad Sundararajan, in his address termed the police as a kind of "embodiment" of God who, like him, have got the unique "privilege" to differentiate between the right and the wrong doers and see that the wrong-doers get punished. No other profession on this planet have this sort of privilege. He urged the probationers to live up to this "privilege" and discharge their duties "responsibly". He cautioned them that all wrong-doers are very creative in their approach and therefore the police professionals need to adopt a doubly creative approach to catch them.

In this 16-Days training module on management, the probationers are being given exposure to areas like Human Behaviour, Relationship Management, Jurisprudence, Legal Concepts, Human Rights, Relation with Groups and Institutions, etc.

डीएसपी का 16 दिन का प्रबंधन प्रशिक्षण CIMP में शुरू हुआ

बिहार पुलिस सेवा (BPS) के 60 वें से 62 वें बैच के प्रोबेशनर्स के 16.दिवसीय प्रबंधन प्रशिक्षण का उद्घाटन आज चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अमीर सुभानी द्वारा किया गया। श्री गुप्तेश्वर पांडेए पुलिस महानिदेशकए बिहार इस अवसर पर अतिथि थे। श्री भृगु श्रीनिवासन इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में पुलिस महानिदेशक बिहार पुलिस अकादमी राजगीर के महानिदेशक भी उपस्थित थे।

श्री अमीर सुभानी ने अपने उद्घाटन भाषण में प्रोबेशनर्स को CIMP में इस अवसर का लाभ उठाने के लिए कहा कि प्रबंधन कोण से पुलिस और प्रबंधन से प्रबंधन का अध्ययन किया जाए। परिवीक्षाकर्ताओं को चेतावनी देते हुए कि पुलिस एक शक्तिशाली काम है और शक्ति के साथ समान जिम्मेदारी आती है उन्होंने कहा कि हमें महात्मा गांधी की शिक्षाओं को ध्यान में रखना होगा जब उन्होंने कहा कि आपको हमेशा अंतिम व्यक्ति को अपने दिमाग में रखना होगा अंतिम व्यक्ति पदानुक्रम जिसने आपसे संपर्क किया हो या जिसने आपसे संपर्क न किया हो लेकिन आपके कार्य उसे प्रभावित कर सकते हैं। श्री सुभानी ने आगे कहा कि जब भी आपके पास विवेक होता है तो आपके पास सकारात्मक तरीके से करने या नकारात्मक तरीके से कार्रवाई करने का विवेक होता है। ऐसी स्थितियां हो सकती हैं जब दोनों विकल्प आपके साथ कानूनी रूप से और कानूनन उपलब्ध हों लेकिन आपको कार्रवाई का कोर्स करने की कोशिश करनी चाहिए जो आपके खिलाफ जाने के बजाय आपके सामने व्यक्ति के पक्ष में जाता है। इस बात को रेखांकित करते हुए कि दिनचर्या नवाचार की दुश्मन है श्री अमीर सुभानी ने प्रोबेशनरों को सलाह दी कि वे बेहतर तरीके से और नए तरीके से दिनचर्या में बदलाव करें। आप जो भी कर रहे हैं वह महत्वपूर्ण है लेकिन आप किस तरीके से कर रहे हैं वह अधिक महत्वपूर्ण है।

श्री गुप्तेश्वर पांडेय पुलिस महानिदेशक ने अपने संबोधन में मानव इकाई के भीतर बाहर और बाहर दोनों के संघर्ष की सर्वव्यापकता पर ध्यान दिया और यह मन और बुधि के बीच संघर्ष है जो व्यक्तित्व को निर्धारित करता है व्यक्ति का। उन्होंने परिवीक्षाकर्ताओं को समाज के नज़रि में पुलिस की मौजूदा छवि को सुधारने में मदद करने के लिए एक मानवीय चेहरा और कार्य करने का आह्वान किया।

बिहार पुलिस अकादमीए राजगीर के निदेशक श्री भृगु श्रीनिवासन ने प्रोबेशनरों से इस प्रतिष्ठित संस्थान में इस सीखने के अवसर का प्रभावी ढंग से उपयोग करने और इसके सबसे अधिक उपयोग करने का आग्रह किया।

प्रख्यात रचनात्मक विचारक.लेखक.ग्राफोलॉजिस्ट डॉ। सुंदर सुंदरराजन ने अपने संबोधन में पुलिस को भगवान का एक प्रकार का अवतार कहा है जो उसे सही और गलत कर्ता के बीच अंतर करने के लिए अद्वितीय विशेषाधिकार मिला है और देखते हैं कि गलत करने वालों को सजा मिलती है। इस ग्रह पर किसी अन्य पेशे का इस तरह का विशेषाधिकार नहीं है। उन्होंने प्रोबेशनर्स से आग्रह किया कि वे इस विशेषाधिकार पर खरा उतरें और अपने कर्तव्यों का निर्वहन ष्जिम्मेदारी सेष् करें। उन्होंने उन्हें आगाह किया कि सभी गलत करने वाले अपने दृष्टिकोण में बहुत रचनात्मक हैं और इसलिए पुलिस पेशेवरों को उन्हें पकड़ने के लिए एक दोहरे रचनात्मक दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता है।

प्रबंधन पर 16.दिनों के इस प्रशिक्षण मॉड्यूल में प्रोबेशनर्स को मानव व्यवहार संबंध प्रबंधन न्यायशास्त्र कानूनी अवधारणाओं मानवाधिकार समूहों और संस्थानों के साथ संबंध आदि जैसे क्षेत्रों के लिए दिया जा रहा है।